कृषि सुधार के नायक मोदी

कृषि सुधार विशेषांक

वर्ष : 4 , अंक : 30 | 25 जनवरी, 2022

परफॉर्म इंडिया

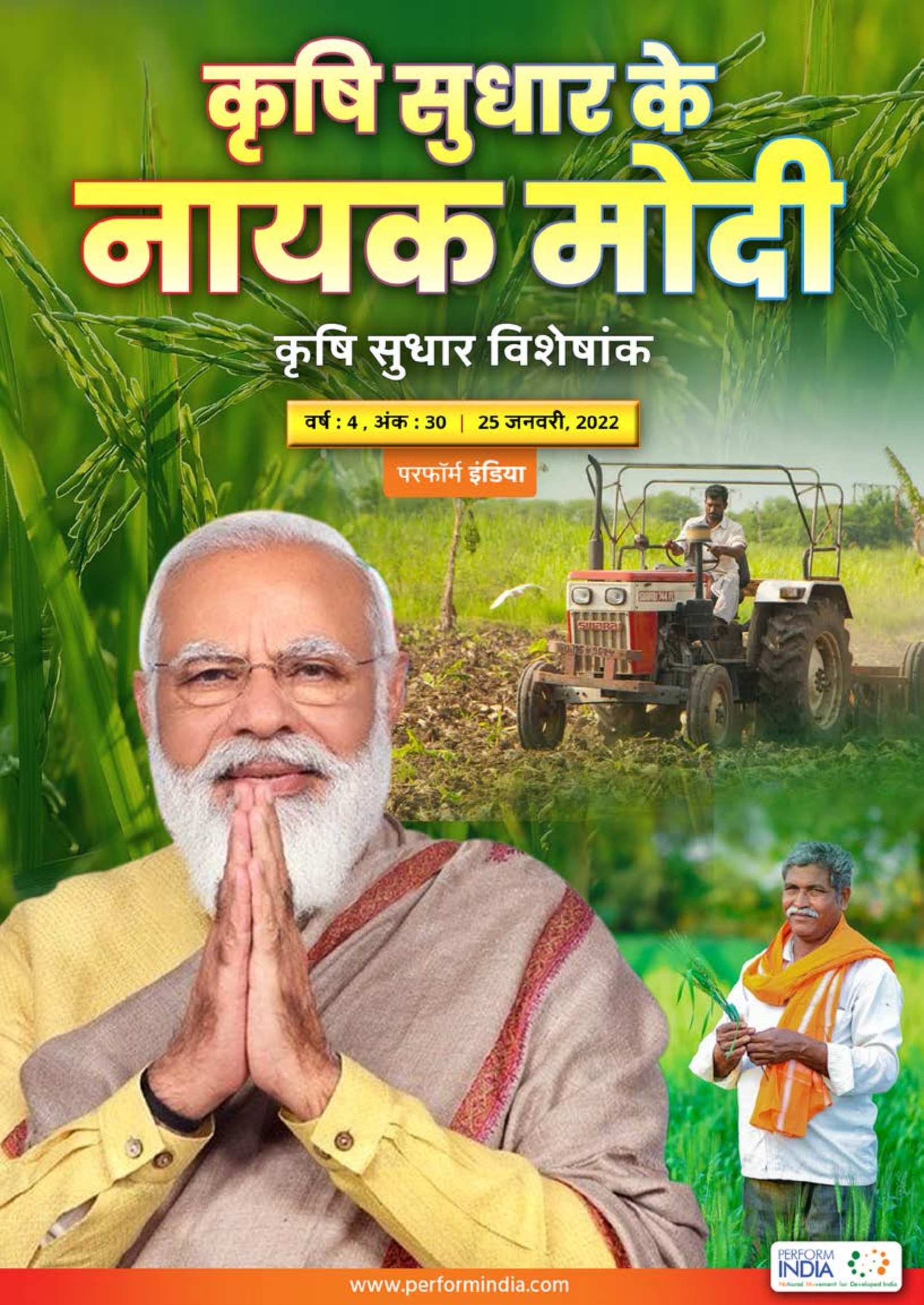

कृषि क्षेत्र को समृद्ध करने और किसानों को सशक्त बनाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का निरंतर जोर रहा है। किसानों की आय दोगुना करने के लक्ष्य को लेकर चल रहे प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्ववर्ती सरकारों की तुलना में ऐतिहासिक काम किया है। उनके सामने तमाम चुनौतियां आईं, लेकिन वे टकराव की जगह किसान कल्याण को प्राथमिकता देकर आगे बढ़ते रहे। उन्होंने कृषि क्षेत्र में 'रिफॉर्म, ट्रांसफॉर्म एंड परफॉर्म' का जो मंत्र अपनाया है, उस पर अडिग रहते हुए वे लगातार आगे बढ़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2022 की शुरुआत भी दस करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में 20 हजार करोड़ रुपये भेजकर की। इसके जरिए उन्होंने अपने इरादे स्पष्ट कर दिए कि वो आगे भी किसानों के कल्याण के लिए कदम उठाते रहेंगे। वे खेती को आधुनिक बनाने के साथ उसे लाभकारी एवं समयानुकूल बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रहे हैं। लगातार खरीफ, रबी और अन्य वाणिज्यिक फसलों के एमएसपी में वृद्धि और उपज की रिकॉर्ड खरीद इसका प्रमाण है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भर भारत अभियान प्रारंभ किया है, जिसमें देश के करोड़ों छोटे व मझोले किसानों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है। फसल बोने की तैयारी से लेकर फसल कटने के पश्चात उपभोक्ताओं के हाथों में उत्पाद पहुंचाने तक की सारी व्यवस्थाएं मजबूत करने के लिए अनेक उपाय शुरू किए गए हैं। कृषि क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही कमियां दूर करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं।

मोदी सरकार में कृषि अनुसंधान पर भी पूरा जोर है, ताकि कृषि क्षेत्र की उत्पादकता के साथ-साथ दक्षता बढ़ाने को लेकर भी स्थायी समाधान किया जा सके। प्रधानमंत्री मोदी ने प्राकृतिक खेती के लिए भी आह्वान किया है। शून्य बजट प्राकृतिक खेती और पारंपरिक क्षेत्र आधारित टेक्नोलॉजी पर भरोसा करके कृषि की लागत में कमी लाने के साथ ही मिट्टी की सेहत में सुधार का प्रयास किया जा रहा है।

मोदी सरकार कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों को शामिल करने के प्रयासों में जुटी हुई है। ड्रोन, किसान रेल, कृषि उड़ान और ई-नाम जैसे माध्यम से किसानों को लाभ मिल रहा है। कृषि उत्पादक संगठन (एफपीओ) के लाभों और छोटे किसानों की सामूहिक शक्ति को ध्यान में रखते हुए मोदी सरकार उन्हें हर स्तर पर बढ़ावा दे रही है। इसी वजह से पूरे देश में एफपीओ सामने आ रहे हैं। किसान 'एक जिला, एक उत्पाद' जैसी योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं और देश एवं वैश्विक स्तर के बाजार उनके लिए खुल रहे हैं।

मोदी सरकार ने कृषि क्षेत्र के विकास के लिए जो कदम उठाए हैं, उससे आज यह सेक्टर सुनहरे दौर से गुजर रहा है। किसानों की आय में बढ़ोतरी के साथ ही रिकॉर्ड खाद्यान्न, बागवानी फसलों का उत्पादन एवं कृषि निर्यात में वृद्धि इस सरकार की सफलता के प्रमाण है। इसमें कोई शक नहीं कि कृषि स्टार्टअप जैसे इनोवेशन को बढ़ावा देकर मोदी सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी कमाई दोगुनी करने के मिशन पर आज तेजी से आगे बढ़ रही है।

PERFORM INDIA
National Movement for Developed India

मोदी सरकार में पहली बार

- अप्रैल 2021 में एमएसपी पर उपज खरीद का पैसा DBT स्कीम के तहत सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजने की शुरुआत हुई।
- केंद्रीय बजट 2018-19 में उत्पादन लागत का न्यूनतम 1.5 गुना एमएसपी निर्धारित करने की घोषणा की गई।
- 24 फरवरी, 2019 को पीएम-किसान योजना के तहत किसानों के खाते में साल में 6 हजार रुपये भेजने की शुरुआत की गई।
- 12 सितंबर, 2019 को पीएम किसान मानधन योजना शुरू की गई। किसानों को प्रति माह 3,000 रुपये पेंशन की सुविधा दी गई।
- कृषि सेक्टर के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए 1 लाख करोड़ रुपये के एग्री-इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड की घोषणा की गई।
- किसानों को 12 अंकों का विशिष्ट पहचान पत्र देने के लिए डाटाबेस तैयार करने का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है।
- 23 दिसंबर, 2021 को बनास काशी डेयरी संकुल के माध्यम से पूर्वांचल में बनास डेयरी और पशुपालकों के बीच एक नई साझेदारी शुरू हुई।
- फरवरी 2019 में देश में गोवंश के संरक्षण, सुरक्षा और संवर्धन के लिए 'राष्ट्रीय कामधेनु आयोग' का गठन किया गया।
- कीटनाशक के प्रयोग, मिट्टी और फसल के पोषक तत्वों के छिड़काव के लिए ड्रोन के इस्तेमाल हेतु मानक संचालन प्रक्रिया जारी की गई।
- 7 अगस्त, 2020 को देवलाली से दानापुर तक पहली किसान रेल की शुरुआत हुई।
- केंद्रीय बजट 2020-21 में किसान कृषि उड़ान योजना की घोषणा की गई। अगस्त 2020 में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय मार्गों पर योजना शुरू की गई।
- अक्टूबर 2017 में किसानों को दी जाने वाली उर्वरक सब्सिडी को डीबीटी के दायरे में लाया गया।

मोदी सरकार में पहली बार

- किसानों को उनकी भाषा में सही समय पर सही जानकारी प्राप्त करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म 'किसान सारथी' लॉन्च किया गया।
- 17 अप्रैल, 2020 को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सब्जियों और फसलों की खरीद-बिक्री के लिए 'किसान रथ' मोबाइल एप लॉन्च किया गया।
- असली बीजों की जानकारी देने और किसानों को धोखाधड़ी से बचाने के लिए सीड ट्रेसबिलिटी मोबाइल एप लॉन्च किया गया।
- शहद और अन्य मधुमक्खी उत्पादों के स्रोत के लिए ऑनलाइन पंजीकरण या पता लगाने के लिए मधुक्रांति पोर्टल लॉन्च किया गया।
- 'सीएचसी फार्म मशीनरी' मोबाइल एप लॉन्च किया, जिससे किसान 50 किलोमीटर दायरे में उपलब्ध खेती के उपकरण को मंगा सकेंगे।
- वर्ष 2017 में मोदी सरकार ने ''पेड़' की परिभाषा से बांस को हटाने के लिए कानून में संशोधन किया।
- पहला e-NAM अंतरराज्यीय व्यापार आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के बीच 19 जनवरी, 2019 से शुरू हुआ।
- वर्ष 2016 में मोदी सरकार ने हर साल 15 अक्टूबर को राष्ट्रीय महिला किसान दिवस के रूप में मनाने का फैसला लिया।
- 2016 में कृषि मंत्रालय का नाम बदलकर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय किया गया।
- 19 फरवरी, 2015 को मृदा स्वास्थ्य कार्ड जैसा भारत का अनोखा कार्यक्रम शुरू किया गया।
- नैनो यूरिया की टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के लिए इफको ने एनएफएल और आरसीएफ के साथ समझौता किया।
- देश में पहले उत्पादकता बढ़ाने पर जोर होता था, अब किसान की आय बढ़ाने और उद्यमी बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

किसान कल्याण सर्वोपरि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

"अपने पांच दशक के सार्वजनिक जीवन में मैंने किसानों की परेशानियों को, उनकी चुनौतियों को बहुत करीब से देखा है, महसूस किया है। इसलिए जब देश ने मुझे 2014 में प्रधानमंत्री के रूप में सेवा का अवसर दिया तो हमने कृषि विकास, किसान कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।"

"हमारी सरकार किसानों के हित में हर संभव कदम उठा रही है, लगातार एक के बाद एक नए कदम उठाती जा रही है। किसानों की आर्थिक स्थिति सुधरे, उनकी सामाजिक स्थिति मजबूत हो, इसके लिए पूरी ईमानदारी से काम कर रही है।"

"बीते 6-7 साल में बीज से लेकर बाज़ार तक, किसान की आय को बढ़ाने के लिए एक के बाद एक अनेक कदम उठाए गए हैं। मिट्टी की जांच से लेकर सैकड़ों नए बीज तैयार करने तक, पीएम किसान सम्मान निधि से लेकर लागत का डेढ़ गुणा एमएसपी करने तक, सिंचाई के सशक्त नेटवर्क से लेकर किसान रेल तक, अनेक कदम उठाए हैं।"

"आज देश ने आत्मनिर्भर भारत का सपना संजोया है। आत्मनिर्भर भारत तब ही बन सकता है जब उसकी कृषि आत्मनिर्भर बने, एक एक किसान आत्मनिर्भर बने। और ऐसा तभी हो सकता है जब अप्राकृतिक खाद और दवाइयों के बदले, हम मां भारती की मिट्टी का संवर्धन गोबर-धन से करें, प्राकृतिक तत्वों से करें।"

किसानों की हितैषी मोदी सरकार

बजट आवंटन में 1.01 लाख करोड़ की अप्रत्याशित बढ़ोतरी

- मनमोहन सरकार में 2004-05 में कृषि मंत्रालय का बजट अनुमान 4192 करोड़ रुपये था। दस साल बाद वर्ष 2013-14 में कृषि मंत्रालय के लिए 21,933.50 करोड़ रुपये का बजट आवंटन किया। यानि दस साल में मात्र 17741 करोड़ की बढ़ोतरी हुई।
- मनमोहन सरकार की तुलना में मोदी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में 1,23,018 करोड़ रुपये का कृषि बजट दिया। यानि किसानों की हितैषी मोदी सरकार ने आठ साल में ही कृषि बजट 1.01 लाख करोड़ रुपये बढ़ा दिया। मनमोहन सरकार के दस साल में बढ़ोतरी की तुलना में यह करीब छह गुना ज्यादा है।

यूपीए सरकार से अधिक एमएसपी में वृद्धि

- मनमोहन सरकार के दौरान 2004-08 के बीच चार साल में विभिन्न फसलों पर 85 से लेकर 110 रुपये तक MSP बढ़ाई गई थी।
- मोदी सरकार के पहले चार साल (2014-18) में 115 रुपये से लेकर 350 रुपये तक एमएसपी बढ़ाई गई।

फसल	मनमोहन सरकार			मोदी सरकार		
	2004-05	2007-08	अंतर	2014	2017-18	अंतर
धान	560	645	85	1360	1550	190
धान ए ग्रेड	590	675	85	1400	1590	190
जौ	540	650	110	1100	1325	225
ज्वार	515	600	85	1530	1700	170
बाजरा	515	600	85	1250	1425	175
मक्का	525	620	95	1310	1425	115
रागी	515	600	85	1550	1900	350

मोदी सरकार में कई गुना अधिक एमएसपी का भुगतान

फसल	मनमोहन सरकार के 5 साल (2009-10 से 2013-14)		मोदी सरकार के 5 साल (2016-17 से 2020-21)		गुना वृद्धि	
	मात्रा एलएमटी में	एमएसपी मूल्य (करोड़ रुपये में)	मात्रा एलएमटी में	एमएसपी मूल्य (करोड़ रुपये में)	मात्रा	एमएसपी मूल्य
धान	2,495	2,88,871	3,449	6,02,156	1.38	2.08
गेहूं	1,395	1,68,223	1,627	2,85,071	1.17	1.69
दलहन	1.52	645	112.63	56,798	74.18	88.08
तिलहन	3.65	1,454	59.20	26,503	16.22	18.23
कपास *	29.15	5821	211.65	59,094	7.26	10.15

स्रोत : कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय

एमएसपी यानि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं और धान की खरीद में 2021 में मोदी सरकार ने नया रिकॉर्ड बनाया। 1.77 करोड़ से ज्यादा किसानों से गेहूं और धान खरीदे गए।

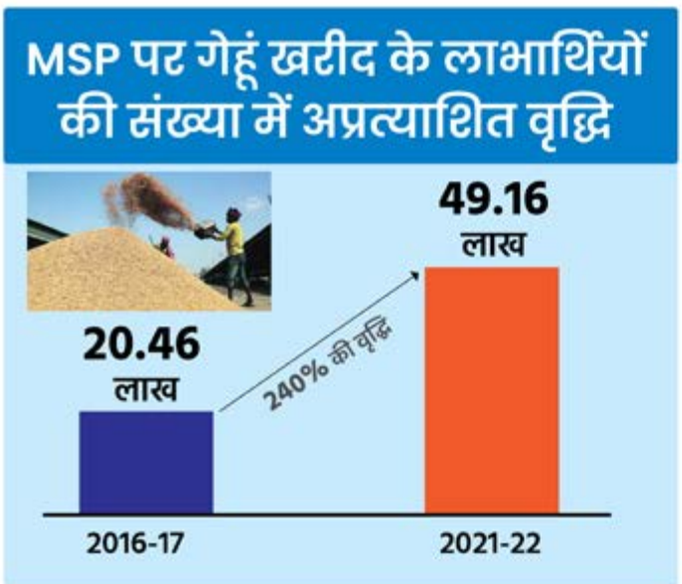

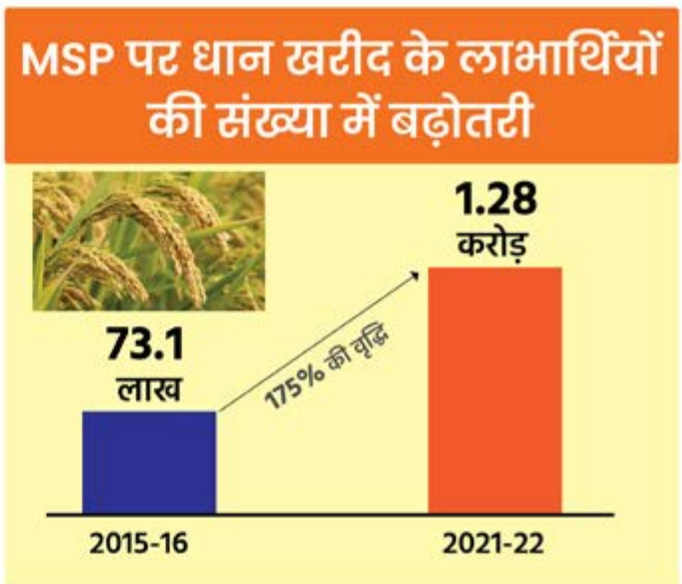

2022-23 की रबी फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी

फसल	2021-22 (रुपये/ क्विंटल)	2022-23 (रुपये/ क्विंटल)	उत्पादन की लागत 2022-23	एमएसपी में वृद्धि (रुपये/ क्विंटल)	लागत के ऊपर मुनाफा (प्रतिशत में)
गेहूं	1975	2015	1008	40	100%
जौं	1600	1635	1019	35	60%
चना	5100	5230	3004	130	74%
मसूर	5100	5500	3079	400	79%
सरसो	4650	5050	2523	400	10%
कुसुंभ	5327	5441	3627	114	50%

स्रोत : कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय

यूपीए और एनडीए सरकार की तुलना

मोदी सरकार में रबी फसल की एमएसपी में वृद्धि

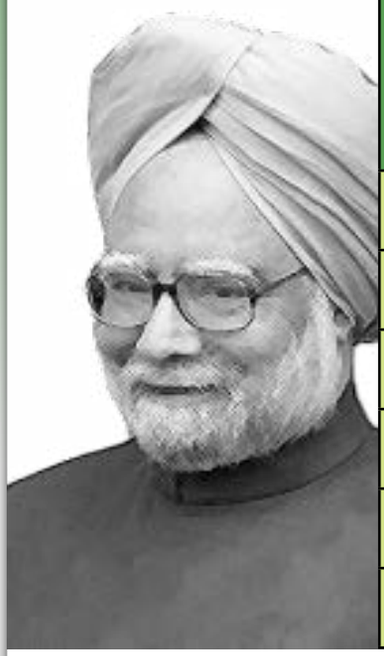

फसल	2013-14 (रुपये/ क्विंटल)	2022-23 (रुपये/ क्विंटल)	प्रतिशत (%) वृद्धि
गेहूं	1400	2015	43%
जौं	1100	1635	48.6%
चना	3100	5230	68.7%
मसूर	2950	5500	86.4%
सरसो	3050	5050	65.5%
कुसुंभ	3000	5441	81.3%

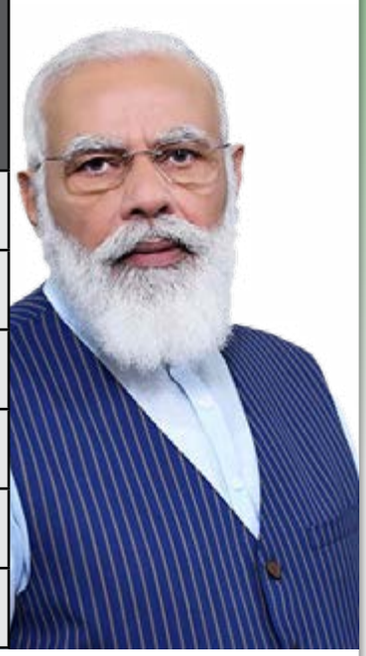

स्रोत : कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय

मोदी सरकार में खरीफ फसल की एमएसपी में वृद्धि

फसल	2020-21 (रुपये/ क्विंटल)	2021-22 (रुपये/ क्विंटल)	लागत पर रिटर्न (प्रतिशत में)
धान	1868	1940	50 %
ज्वार	2620	2738	50%
बाजरा	2150	2250	85%
मक्का	1850	1870	50%
अरहर	6000	6300	62%
मूंग	7196	7275	50%
उड़द	6000	6300	65%
कपास	5515	5726	50%

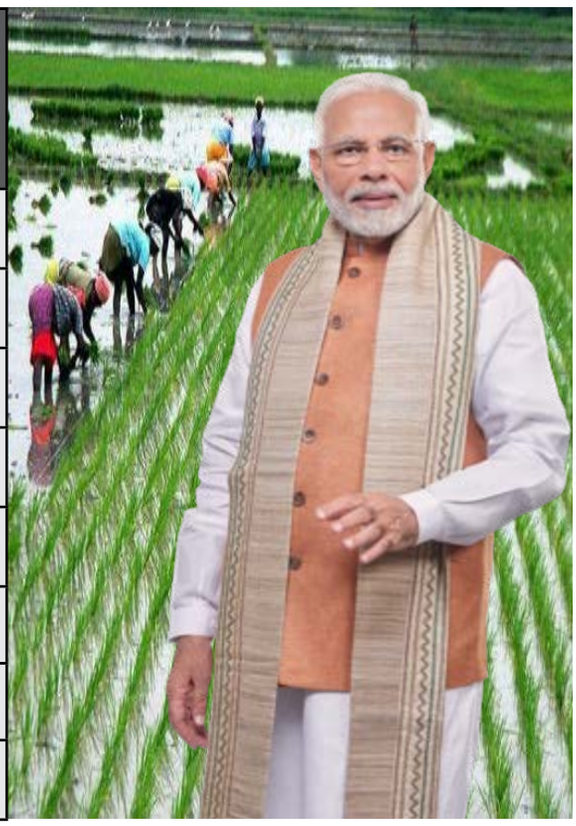

स्रोत : कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय

प्रभावी और पारदर्शी होगी एमएसपी

- मोदी सरकार ने एमएसपी को और अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए एक कमेटी गठित करने का फैसला किया है।
- कमेटी में केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के अलावा कृषि वैज्ञानिक और कृषि अर्थशास्त्री शामिल होंगे।
- मोदी सरकार ने स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट लागू कर उत्पादन लागत पर एमएसपी को बढ़ाकर 1.5 गुना किया।
- मोदी सरकार ने एमएसपी पर उपज खरीद के पैसे को सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजना शुरू किया।
- चीनी सीजन 2021-22 के लिए गन्ने का अब तक के उच्चतम एफआरपी बढ़कर 290 रु/क्विंटल हुआ। इससे 5 करोड़ गन्ना किसानों को लाभ हुआ।

किसानों की आय में बढ़ोतरी

- किसान परिवारों की आय 2013 में 6426 रुपये थी, जो 2019 में 59 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 10,218 रुपये हो गई।
- वर्ष 2013 में कृषि से कमाई करने वाले परिवारों की संख्या 54 प्रतिशत थी, जो 2019 में बढ़कर 58 प्रतिशत हो गई।
- फसल उत्पादन से आय में 2013 से 2019 के बीच 15% तक वृद्धि दर्ज की गई। पशुपालन से आय में 34% तक वृद्धि हुई।
- आय बढ़ाने के लिए छोटे व सीमांत किसानों को पीएम सम्मान निधि के तहत सालाना 6000 रुपये की सहायता दी जा रही है।
- किसान सम्मान निधि के तहत दस किस्तों में कुल 1.80 लाख करोड़ रुपये 11.90 करोड़ से अधिक किसान लाभार्थियों के बैंक खाते में भेजे गए।
- फसल बीमा योजना से 11.35 करोड़ किसान जुड़े हैं। 2016 से अब तक किसानों को 1 लाख करोड़ रुपये का क्लेम मिल चुका है।
- किसानों द्वारा प्रत्येक 100 रुपये के प्रीमियम के भुगतान के एवज में उन्हें दावों के रूप में 532 रुपये का भुगतान मिला है।
- 12 सितंबर, 2019 को पीएम किसान मानधन योजना शुरू की गई। किसानों को प्रति माह 3,000 रुपये पेंशन की सुविधा है।

किसानों की आय बढ़ाने की पहल

- कृषि उत्पादकता बढ़ाने, उत्पादन लागत कम करने, बाजार तक पहुंच बढ़ाने और उचित मूल्य दिलाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं।
- कृषि लागत को कम करने के लिए बीजों, खादों, कृषि उपकरणों, सिंचाई एवं सोलर पंपों पर सब्सिडी दी जा रही है।
- खेती की लागत को कम करने के लिए लगातार जीरो बजटिंग और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।
- स्वायल हेल्थ कार्ड योजना से जरूरत के हिसाब से खाद इस्तेमाल करने से खाद पर होने वाले खर्च में कमी आयी है।
- कृषि उपजों के निर्यात में वृद्धि कर किसानों की आय में बढ़ोतरी के प्रयास किए जा रहे हैं।

मजबूत हो रहा बुनियादी ढांचा

- कृषि सेक्टर के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए 1 लाख करोड़ रुपये के एग्री-इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड की घोषणा की गई।
- फंड से एक वर्ष के भीतर 7891 से अधिक परियोजनाओं के लिए देश में 8,000 करोड़ रुपये का कृषि बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है।
- एग्री-इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड से कृषि मंडियों को भी जोड़ा गया है। इससे कृषि मंडियां सशक्त होंगी।
- फंड के लिए पात्रता का विस्तार राज्य एजेंसियों/एपीएमसी, सहकारी समितियों, एफपीओ और एसएचजी के परिसंघों तक किया गया है।
- वित्तीय सुविधा की अवधि 4 वर्ष से बढ़ाकर 6 वर्ष (2025-26 तक) और योजना की कुल अवधि 10 से बढ़ाकर 13 वर्ष (2033) कर दी गई है।
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को अब स्वैच्छिक बना दिया गया है। इसका लाभ सभी फसलों और सभी किसानों को मिल रहा है।
- योजना के तहत 33 प्रतिशत और उससे अधिक फसल के नुकसान की स्थिति में किसानों को मदद मिल रही है।

'पर ड्रॉप मोर क्रॉप'

- हर खेत को पानी उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की शुरुआत 2015 में की गई।
- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के जरिए करीब 60 लाख हेक्टेयर जमीन को माइक्रो-इरिगेशन से टपक सिंचाई से जोड़ा गया है।
- कुसुम योजना के तहत साल 2022 तक देश में तीन करोड़ सिंचाई पंपों को सौर ऊर्जा से चलाने का लक्ष्य रखा गया है।
- मोदी सरकार ने अगले 5 वर्षों में सूक्ष्म सिंचाई के अंतर्गत 100 लाख हेक्टेयर भूमि कवर करने का लक्ष्य रखा है।
- 'हर खेत को पानी' पहुंचाने और 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' के तहत 2.75 लाख ट्यूबवेल लगाए गए हैं।
- छिड़काव करने वाले 1.27 लाख मशीन और 7.64 करोड़ मीटर वाटर पाइप किसानों को बांटे गए हैं।

छोटे किसानों को मिली पंचशक्ति

- छोटे किसानों के बढ़ते हुए सामर्थ्य को संगठित रूप देने में किसान उत्पादक संगठनों- FPO's की बड़ी भूमिका है।
- पीएम मोदी ने 351 एफपीओ को 14 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान जारी किया। इससे 1.24 लाख से अधिक किसानों को लाभ होगा।
- एफ़पीओ योजना के तहत किसान समूहों को 15 लाख रुपये की आर्थिक मदद मिल रही है। किसानों को उद्यमी बनने के अवसर मिल रहे हैं।
- ऋण गारंटी कोष के जरिये प्रति एफपीओ 2 करोड़ रुपये तक कोलैटरल फ्री गारंटी सुविधा दी जा रही है।
- देश में 10 हजार नए एफपीओ बनाने का काम जारी है। अब तक 1500 से अधिक एफपीओ पंजीकृत हो चुके हैं।
- 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना के तहत 15% एफपीओ बनाने और बागवानी उत्पादों के लिए क्लस्टर आधारित रणनीति अपनायी गई है।
- कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में इनोवेशन व तकनीक के उपयोग के लिए स्टार्टअप्स और कृषि-उद्यमिता पर जोर दिया जा रहा है।
- कृषि में जेंडर मेनस्ट्रीमिंग को बढ़ावा देने के साथ महिला एसएचजी और महिला एफपीओ के गठन और उनके क्षमता विकास के उपाय हो रहे हैं।

श्वेत क्रांति को मिला विस्तार

- 23 दिसंबर, 2021 को पीएम मोदी ने वाराणसी के करखियांव में बनास डेयरी संयंत्र (अमूल प्लांट) का शिलान्यास किया।
- बनास काशी संकुल के माध्यम से पिंडरा ही नहीं, बल्कि पूर्वांचल के करीब 6 जिलों को लाभ होगा।
- पीएम मोदी ने बनास डेयरी से जुड़े 1.7 लाख से अधिक दुग्ध उत्पादकों को करीब 35 करोड़ रुपये का बोनस उनके बैंक खातों में अंतरित किया।
- दुग्ध उत्पादकों के लिए 'कनफॉरमेटी एसेसमेंट स्कीम' से संबंधित एक पोर्टल को लॉन्च करने के साथ उसका लोगो भी जारी किया गया।
- पशुपालकों और डेयरी सेक्टर के विकास के लिए 15 हजार करोड़ रुपये का एक विशेष इंफ्रास्ट्रक्चर फंड बनाया गया है।
- डेयरी किसानों के लिए किसान क्रेडिट काड्र्स (केसीसी) अभियान की शुरुआत की गई है।
- पीएम मोदी ने पशुधन के लिए ई-मार्केटप्लस उपलब्ध कराने के लिए ई-गोपाला मोबाइल एप लॉन्च किया।
- 50 करोड़ से ज्यादा पशुधन को खुरपका और मुंहपका बीमारियों से मुक्ति के लिए मुफ्त टीकाकरण अभियान शुरू किया गया।
- देसी नस्ल की गायों के विकास के लिए मिशन गोकुल शुरू किया गया और गोधन के संवर्धन के लिए कामधेनु आयोग की स्थापना की गई।
- 2019 में कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इस योजना ने 2 चरण पूरे कर लिए हैं। 1 अगस्त, 2021 को तीसरा चरण शुरू हुआ।
- भारत का दुग्ध उत्पादन 6 वर्षों (2014-20) में प्रति वर्ष 6.3% की औसत वार्षिक दर से बढ़ा है, जो विश्व की दर से चार गुना अधिक है।
- भारत का दुग्ध उत्पादन 2013-14 में 137 मिलियन टन से बढ़कर 2019-20 में 198.4 मिलियन टन हो गया।

कृषि सम्बद्ध क्षेत्र का विकास

मीठी क्रांति

- 'मीठी क्रांति' को बढ़ावा देने के लिए मोदी सरकार ने वर्ष 2020 में राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (एनबीएचएम) शुरू किया।
- मोदी सरकार ने एनबीएचएम के लिए तीन वर्षों (2020-21 से 2022-23) के लिए 500 करोड़ रुपये का आवंटन किया।
- अमेरिका के अलावा यूरोपीय संघ, दक्षिण पूर्व एशिया और अन्य देशों में शहद निर्यात को बढ़ावा दिया जा रहा है।
- शहद उत्पादन में लगभग 60 प्रतिशत और निर्यात में दोगुने से अधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

नीली क्रांति

- 10 सितंबर, 2020 को पीएम मोदी ने 20,050 करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (PMMSY) का शुभारंभ किया।
- भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मत्स्य उत्पादक देश है। पिछले 6 वर्षों में समुद्री उत्पादों का निर्यात 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है।
- मछुआरों को किसान क्रेडिट कार्ड दिया जा रहा है। 2 लाख रुपये तक की रकम सिर्फ 4 प्रतिशत के मामूली ब्याज पर मिलती है।
- मोदी सरकार ने मछुआरों की आय और मछली का उत्पादन दोगुना करने के लिए मत्स्यपालन विभाग बनाया।

उत्तर पूर्वी भारत में जैविक खेती को बढ़ावा

- उत्तर पूर्व को जैविक खेती के हब के रूप में विकसित करने के साथ ही बागवानी और औषधीय फसलों को बढ़ावा दिया जा रहा है।
- पाम ऑयल मिशन शुरू किया गया है। इसके तहत 11 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया जाएगा।
- फिलहाल 3 लाख हेक्टेयर जमीन पर पाम की खेती हो रही है। 2029-30 तक करीब 10 लाख हेक्टेयर भूमि पर पाम की खेती का लक्ष्य है।
- औषधीय जड़ी बूटी की खेती को प्रोत्साहन के लिए 4,000 करोड़ रुपये के राष्ट्रीय औषधीय पौध कोष की घोषणा की गयी।

किसानों की बढ़ती डिजिटल पहुंच

- लॉकडाउन के दौरान 17 अप्रैल, 2020 को सब्जियों और फसलों की खरीद-बिक्री के लिए किसान रथ मोबाइल एप लॉन्च किया गया।
- इस एप के द्वारा किसानों और व्यापारियों को ट्रक या अन्य सामान ढोने वाले वाहन के आने का समय और स्थान के बारे में जानकारी मिलती है।
- बाजारों-खरीदारों तक किसानों की डिजिटल पहुंच बढ़ाने के लिए e-NAM पोर्टल की शुरुआत की गई। इससे 1.72 करोड़ किसान जुड़े हैं।
- किसानों के लिए बेहतर मूल्य सुनिश्चित करने के लिए 1000 कृषि मंडियों को सीधे राष्ट्रीय कृषि बाजार (e-NAM पोर्टल) से जोड़ा गया है।
- खाद्यान्न, तिलहन, रेशे, सब्जियों और फलों सहित 150 से अधिक वस्तुओं का व्यापार e-NAM के माध्यम से किया जा रहा है।

किसान रेल और कृषि उड़ान

- अगस्त 2020 में देवलाली से दानापुर तक पहली किसान रेल और सितंबर 2020 में द. भारत की पहली किसान रेल अनंतपुर से दिल्ली रवाना हुई।
- पीएम मोदी ने 28 दिसंबर,2020 को देश की 100वीं किसान रेल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।
- रेलवे ने 19 नवंबर, 2021 तक 1,586 किसान रेल सेवाओं का संचालन किया, जिससे करीब 5.2 लाख टन माल की ढुलाई हुई।
- ख़राब होने वाली खाद्य सामग्री को जल्द बाजार में पहुंचाने के लिए सितंबर 2020 में कृषि उड़ान योजना शुरू हुई थी।
- अक्टूबर 2021 में कृषि उड़ान 2.0 लॉन्च हुआ। इससे पहाड़ी राज्यों और आदिवासी बहुल इलाकों के किसानों को मदद मिल रही है।

- इस योजना के लिए देश के 53 हवाई अड्डों का चयन किया गया है जिसका संचालन AAI करता है।

मृदा स्वास्थ्य में सुधार

- 19 फरवरी, 2015 को मृदा स्वास्थ्य कार्ड जैसा भारत का अनोखा कार्यक्रम शुरू किया गया था।
- 21 जनवरी, 2022 तक 22.91 करोड़ किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए गए।
- मृदा स्वास्थ्य की रिपोर्ट के आधार पर खाद और खाद की मात्रा का निर्धारण किया जा रहा है।
- मोदी सरकार ने फास्पेटिक और पोटाशिक फर्टिलाइजर के लिए एडिशनल 28,655 करोड़ सब्सिडी की घोषणा की।
- मोदी सरकार ने DAP खाद के लिए सब्सिडी 140 प्रतिशत बढ़ाने के अलावा गैर-यूरिया खादों की भी सब्सिडी बढ़ाई।
- मोदी सरकार ने कालाबाजारी रोकने के लिए पूरी तरह नीम कोटिंग यूरिया के इस्तेमाल की मंजूरी दी।
- मोदी सरकार में सिंद्री, गोरखपुर और बरौनी के उर्वरक कारखानों को फिर से खोला गया।
- 6 साल पहले जहां देश में सिर्फ एक केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय था, वहीं मोदी सरकार में इसकी संख्या बढ़कर तीन हो गई है।

कृषि उत्पादों के निर्यात में वृद्धि

- भारत ने 2021-22 (अप्रैल-अगस्त) में कृषि संबंधी और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में 21.8 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की।
- कृषि उत्पादों का समग्र निर्यात 2021 के अप्रैल-अगस्त के दौरान बढ़कर 7,902 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

किसानों की बढ़ेगी आमदनी

कृषि उत्पाद	निर्यात में वृद्धि
चावल	13.7 %
फल-सब्जी	6.1 %
प्रसंस्कृत खाद्य	41.9 %
मोटे अनाज	142.1 %
काजू	28.5 %
मांस, डेयरी, पोल्ट्री उत्पाद	31.1 %

कृषि उत्पादों के निर्यात में वृद्धि के लिए पहल

- विभिन्न देशों में बी2बी प्रदर्शनियों का आयोजन
- भारतीय दूतावासों की सक्रिय भागीदारी में वृद्धि
- वर्चुअल तरीके से क्रेता-विक्रेता बैठकों का आयोजन
- 220 प्रयोगशालाओं को मान्यता और उन्नयन
- अवसंरचना विकास और गुणवत्ता सुधार पर जोर
- ऑर्गेनिक वर्ल्ड कांग्रेस, बायोफैक इंडिया कार्यक्रम
- ट्रैसियबिलिटी सिस्टमों का विकास और कार्यान्वयन
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार सूचना का संकलन व विश्लेषण
- 'एक जिला, एक विशेष उत्पाद' के लिए सूची बनाना

नई पहल, बेहतर भविष्य

- मोदी सरकार कृषि उत्पादन लागत कम करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर जोर दे रही है।
- कृषि में कीटनाशक और पोषक तत्व के इस्तेमाल में ड्रोन के प्रभावी एवं सुरक्षित संचालन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया तैयार की गई है।
- यह तकनीक लागत को कम करने के अलावा फसल प्रबंधन की निरंतरता और दक्षता को बढ़ाने के साथ स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।
- जैव प्रौद्योगिकी, रिमोट सेंसिंग, जीआईएस, डाटा एनालिसिस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है।
- मेगा फूड पार्क की योजना पर बल दिया जा रहा है। खाद्य प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन में निवेश के लिए अनुकूल माहौल बनाया जा रहा है।
- 41 मेगा फूड पार्कों को मंजूरी दी गई थी। इनमें से 22 मेगा फूड पार्क परियोजनाओं को परिचालनगत बनाया जा चुका है।
- आज देश में 61,669 स्टार्टअप्स हैं, जिनमें से करीब 1700 से अधिक स्टार्टअप्स कृषि क्षेत्र में काम कर रहे हैं।
- राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के पहले चरण में 112 स्टार्टअप को 1186 लाख रुपये की रकम देने का एलान किया गया था।

किसानों को विशिष्ट पहचान पत्र

- मोदी सरकार किसानों की आय दोगुनी करने और योजनाओं का समुचित लाभ दिलाने के लिए किसानों को विशिष्ट पहचान पत्र जारी करेगी।
- 12 अंकों के इस विशिष्ट पहचान पत्र को बनाने की प्रक्रिया देशभर में चल रही है।
- डाटाबेस तैयार करने के लिए पायलट प्रोजेक्ट चल रहा है। 6 करोड़ से अधिक किसानों का डाटाबेस तैयार कर लिया गया है।
- इस पहचान पत्र से किसान केंद्र व राज्य सरकारों की विभिन्न योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। बिचौलिए खत्म हो जाएंगे।
- योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए विभिन्न विभागों और दफ्तरों में बार-बार भौतिक दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।